समावेश

एक पहल...

अंक 5, अगस्त–अक्टूबर 2011

lenk; vk/kkfjr iquokl dk;Øe d vUrxr idkf'kr

CUTS International 25 years 1983 2008

Sightsavers

संपादक की कलम से...

प्रिय पाठकों,

इस अंक में कट्स द्वारा आयोजित गतिविधियों की संक्षिप्त जानकारी प्रकाशित की जा रही है। इस त्रैमास में सामूहिक प्रयास से ही 100 से अधिक लोगों के सफलतापूर्वक मोतियाबिन्द ऑपरेशन संभव हो सके हैं। प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से व्यस्क नेत्रहीन अपना रोजमर्रा का काम स्वयं करने के लिए प्रेरित हुए हैं। विकलांगों ने हीन भावना से उभरकर स्वाभिमान की ओर बढ़ने का प्रयास शुरू कर दिया है। अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार लाने हेतु परियोजना क्षेत्र के विगलांगजन स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रहे है। समुदाय में आंखों की देखभाल करने की प्रवृति बढ़ी है।

जिला कलेक्टर परिसर का एक्सेस ऑडिट कर सरकारी कार्यालय तक विकलांगों की पहुंच बनाने हेतु प्रशासन व सरकारी अधिकारियों को अवगत कराया गया।

आपको यह अंक कैसा लगा इस अंक के बारे में आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं..... **'संपादक मंडल'**

विकलांगजनों ने की कलेक्ट्रेट परिसर की एक्सेस ऑडिट

प्रायः यह देखने में आता है कि सरकारी एवं सार्वजनिक स्थान विकलांगजन की पहुंच से बाहर होते हैं। वहां तक पहुंचने मे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

कलेक्ट्रेट परिसर का एक्सेस ऑडिट करती टीम

निःशक्तजन कानून 1995 के तहत सभी सरकारी एवं सार्वजनिक स्थान ऐसे होने चाहियें जिससे विकलांगजन वहां आसानी से पहुंच सके। इसी बात को मद्देनजर रखते हुये कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा 14 अक्टूबर 2011 को चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर कार्यालय व परिसर की एक्सेस ऑडिट की। अंकेक्षण दल में कट्स प्रतिनिधि तथा विकलांगजन सहित आठ लोगों ने भाग लिया। अंकेक्षण के माध्यम से वास्तविकता सामने आई कि जिला कलेक्टर कार्यालय प्रथम तल पर है। वहां तक पहुंचने के लिये रेम्प या लिफ्ट की सुविधा नहीं है। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित अन्य कार्यालय भी विकलांगजन की पहुंच से बाहर हैं। यहाँ पर मूलभूत सुविधाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय व पार्किंग व्यवस्था भी विकलांगजन के अनुरूप नहीं है। एक्सेस ऑडिट का प्रतिवेदन सम्बन्धित अधिकारियों को प्रेषित कर इस संबंध में उचित कार्यवाही करने का आग्रह किया।

नाम करेगा रोशन....

चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति के बड़ौदिया ग्राम पंचायत के दृष्टिहीन बालक लोकेश शिक्षा से जुड़कर अपने जीवन में प्रकाश लाने का जतन करता दिख रहा है। आधारभूत सर्वे के दौरान गांव के 12 वर्षीय दृष्टिहीन लोकेश के बारे में जानकारी मिली। लोकेश के माता पिता ने बताया कि इसकी कई जगह जांच करवाई लेकिन इलाज होना संभव नहीं है।

सर्व शिक्षा अभियान द्वारा पुरस्कृत

लोकेश की गोमाबाई नेत्रालय नीमच में जांच करवाई गई वहां से भी निराशा हाथ लगी। उसके पश्चात प्रशासन गांव के संग शिविर में जाकर लोकेश का विकलांगता प्रमाण–पत्र व पहचान पत्र बनवाया गया। दूसरा कदम लोकेश को शिक्षा से जोड़ने का उठाया। लगातार कोशिश करने पर लोकेश पढ़ने के लिए राजी हुआ।

कट्स प्रतिनिधि लोकेश को साथ में लेकर विद्यालय पहुंचे तो प्रधानाध्यापकजी ने प्रवेश देने के लिए मना कर दिया। इसके बारे में बार–बार विद्यालय में सम्पर्क एवं पत्राचार किया तथा साइटसेवर्स की भी मदद ली। हर तरह के प्रयास से सफलता मिली और लोकेश को विद्यालय में प्रवेश मिल गया। लोकेश वर्तमान में छठी कक्षा में है और नियमित रूप से विद्यालय में पढ़ने जा रहा है।

अब लोकेश के माता पिता का ही नहीं बल्कि विद्यालय के अध्यापकों का भी सकारात्मक सहयोग प्राप्त हो रहा है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत उसे ब्रेल किट व ब्रेल बुक मिल गई है। कट्स के विशेष अध्यापक गोवर्धन पारीक ब्रेल बुक पढ़ने की कला सिखा रहे हैं। लोकेश की पढ़ाई में बढ़ती रूचि शुभ संकेत है। सर्व शिक्षा अभियान द्वारा आयोजित विकलांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय और परिवार का नाम रोशन किया।

दृष्टिबाधितो ने सिखा अपना काम खुद करना

एक दृष्टिबधित व्यक्ति को अपने रोजमर्रा के काम के लिए दूसरों पर आश्रित रहना पड़ता है। यदि उनको प्रशिक्षित कर दिया जाए तो वे अपना काम स्वयं कर सकते है। इसी मंशा के अनुरूप कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा इस त्रैमास में दो शिविरों का आयोजन किया गया।

प्रथम शिविर 24 से 27 अगस्त 2011 को श्री सांवलिया जी विश्रान्ति गृह निम्बाहेड़ा में तथा दूसरा 11 से 14 अक्टूबर 2011 को श्री सांवलिया जी विश्रान्ति गृह चित्तौड़गढ़ मे आयोजित किया गया। व्यस्क दृष्टिबाधितों के लिये आयोजित 4 दिवसीय आवासीय शिविर में सहभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में सहभागियों को विकलांगजनों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा उनसे जुड़े कानूनों के बारे में सरल भाषा में अवगत कराया गया।

नेत्रहीन व्यस्कों का चार दिवसीय शिविर

शिविर के दौरान सहभागियो ने स्वयं सहायता समूह के महत्व को स्वीकार किया एवं समूह से जुड़कर अपने को आर्थिक रूप से मजबूत करनें का संकल्प लिया। कट्स के संदर्भ व्यक्तिओं नें सहभागियों को अपने दैनिक कार्य को सरल तरीके से करने के लिये प्रशिक्षित किया।

शिविर के दौरान सहभागियो नें अनुभवों का आदान प्रदान किया। निम्बाहेड़ा के नेत्रहीन प्रेम प्रकाश ने अपने जीवन के अनुभव सुनाते हुए बताया कि उन्होने जिन्दगी में संघर्ष करते हुये आगे बढ़े और सरकारी विद्यालय में अध्यापक की नौकरी हासिल की। चित्तौड़गढ़ के बड़ौदिया पंचायत के सिरोड़ी गांव की नेत्रहीन कस्तुरी रेगर वार्डपंच की भूमिका बखूबी निभा रही है। अपने गांव के विकास हेतु ग्राम पंचायत की हर बैठक में भाग लेकर अपनी बात रखती है।

चित्तौड़गढ़ में आयोजित प्रशिक्षण के दौरान पंचायत समिति परिसर में आयोजित शिविर में विकलांगता प्रमाण पत्र, बस पास, पेंशन के दस्तावेज बनवाये तथा चित्तौड़गढ़ किले का भी भ्रमण कराया गया।

शिविर के अन्तिम दिन सहभागियो में आत्मविश्वास की झलक साफ दिखाई दे रही थी उन्होनें मीडिया प्रतिनिधियों के साथ अपने अधिकार एवं समस्याओं के बारे में चर्चा की साथ ही कलेक्टर परिसर की एक्सेस ऑडिट में भी भाग लिया। चित्तौड़गढ़ व निम्बाहेड़ा में आयोजित शिविर में 65 सहभागी लाभान्वित हुए।

नेत्र शिविरों में दिलाया रोगियों को लाभ

बगदीराम का शिविर में इलाज

जिले में विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाये जाने वाले निःशुल्क नेत्र जांच शिविरों मे समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के कार्यक्षेत्र से लोग पहुंचने लगे है। कट्स द्वारा गत तीन माह में 100 से भी अधिक लोगों के मोतियाबिन्द के ऑपरेशन विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से करवाये गये जिनको ऑपरेशन के बाद दिखाई देने लगा है। पंचायत समिति निम्बाहेड़ा के जलिया गांव के बगदीराम जिनको ऑपरेशन के बाद साफ दिखाई देने लगा है, वे अपने दिनचर्या के कार्य स्वयं आसानी से करने लगे है।

9 अक्टूबर 2011 को निम्बाहेड़ा में पेंशनर्स समाज द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में लोगों को प्रेरित कर भेजा गया। इस शिविर में लगभग 100 लोग लाभान्वित हुए। इसी प्रकार 16 अक्टूबर 2011 को बस्सी में आयोजित नेत्र जांच शिविर में 112 रोगियों को ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया जिसमें 34 रोगी कट्स के प्रयास से पहुंचे थे। चिन्हित रोगियों का गोमाबाई नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन हुऐ। रोगियों को निःशुल्क दवाई तथा चश्में रियायती दरों पर दिये गये।

आकाश छूने की चाह

संगीता नायक

संघर्ष करने की असाधारण क्षमता व जिन्दगी में कुछ कर दिखाने का जूनून हर किसी में नहीं होता है। यह सब कर दिखाया है चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा कस्बे की 21 वर्षीय संगीता नायक ने। दोनों पैरों से विकलांग संगीता के सात भाई बहन हैं। तीन साल की उम्र तक संगीता सामान्य बच्चों की तरह भागती दौड़ती थी। अचानक उसके पैर में दर्द हुआ जिसका ईलाज के लिये उसे इंजेक्शन लगाया गया। गलत इंजेक्शन के कारण उसके दोनों पैर खराब हो गये। बड़ा परिवार व आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसका इलाज नही हो पाया।

संगीता ने इन परिस्थितियों में भी हिम्मत नहीं हारी और स्नातक उतीर्ण की एवं बी.एड. में चयन हो गया। संगीता के आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति से प्रेरित होकर निम्बाहेड़ा के जागरूक लोगों नें चंदा इकट्ठा कर वित्तीय सहायता प्रदान की। अब संगीता नियमित छात्रा के रूप में बी.एड. की पढ़ाई कर रही है। कट्स प्रतिनिधियों ने भी संगीता का बस पास बनवाया एवं ट्राई साईकिल दिलवाने में सफलता प्राप्त की। संगीता शिक्षिका बनना चाहती है तथा जिन्दगी में बहुत आगे बढ़ना चाहती है। संगीता विकलांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की इच्छा रखती है।

मोतियाबिन्द क्या है?

भारत में आंखों से जुड़ी सामान्य समस्याऐं हर चार में से एक व्यक्ति में देखने को मिल जाती है। आंखों की बिमारियों का यदि सही समय पर ईलाज न किया जाये तो वह अंधेपन का कारण बन सकती है। दवाई, ऑपरेशन या चश्में का उपयोग कर अधिकतर लोगों की दृष्टि एवं अंधेपन को सुधारा जा सकता है।

भारत में पाई जाने वाली आंखों की सामान्य बिमारियों में से मोतियाबिन्द एक है। प्रत्येक चार अंधे व्यक्तियों में से 3 व्यक्ति को मोतियाबिन्द होता है।

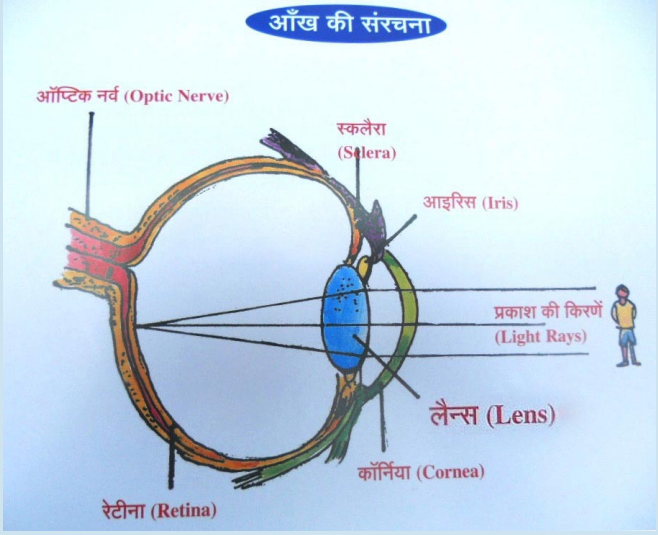

मोतियाबिन्द आंखों के लेंस की बिमारी है। आंखों के अंदर एक पारदर्शी लेन्स होता है जिसकी मदद से आंखे देखने का काम करती है। साधारणतः यह लेन्स साफ एवं पारदर्शी होता है और प्रकाश की किरणों को अंदर जाने देता है। जब यह लेन्स सफेद/धुंधला हो जाता है तब वह प्रकाश की किरणों को अंदर जाने से रोकता है जिससे उस व्यक्ति को दिखना कम हो जाता है। इस लेन्स में सफेदी धीरे–धीरे बढ़ती जाती है और व्यक्ति को दिखाई देना बंद हो जाता है।

यह बिमारी किसी भी उम्र में हो सकती है लेकिन साधारणतः 40 वर्ष के बाद होने की संभावना अधिक होती है। कभी–कभी बच्चों को भी मोतियाबिन्द होता है इसका मुख्य कारण गर्भावस्था के दौरान मां द्वारा संक्रमण या हानिकारक दवाईयों के सेवन होता है। चोट लगने, हानिकारक दवा के उपयोग या डायबिटीज द्वारा भी मोतियाबिन्द की शिकायत हो सकती है। जैसे–जैसे व्यक्ति की उम्र बढ़ती जाती है वैसे ही मोतियाबिन्द का खतरा भी बढ़ता जाता है।

मोतियाबिन्द के इलाज के लिये कोई दवा नहीं होती परन्तु ऑपरेशन के माध्यम से खराब लेंस की जगह नया लेंस डालकर इसका इलाज किया जाता है। ऑपरेशन हेतु मोतियाबिन्द के पकने का इंतजार करना आवश्यक नहीं है। जब भी मरीज को रोजमर्रा के कार्यो में मुश्किलों का अनुभव हो तो तुरंत ऑपरेशन करवा लेना चाहिये। मोतियाबिन्द का एक मात्र इलाज ऑपरेशन ही है। ऑपरेशन के पश्चात मरीज को पुनः साफ दिखाई देने लगता है। ऑपरेशन के बाद लगभग 10–12 दिनों तक आंखों का विशेष ध्यान रखना चाहिये। आंखों को धूल, मिटटी व धुऐं आदि से बचायें तथा आंखों को आराम दें। मधुमेह होने पर इसकी दवाई नियमित रूप से लेनी चाहिये। अतः एक छोटे से ऑपरेशन के बाद मोतियाबिन्द रोगी देख सकता है।

आठ सालों बाद देखी बेटे की झलक

समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के तहत् चितौडगढ पंचायत समिति की पाल पंचायत का एक छोटा सा गांव हैं भण्डाणा खेडा। भील समुदाय के बाहुल्य वाले इस गांव में करीब 30 परिवार रहते हैं। इस गांव की हीरीबाई भील से एक दिन कट्स कार्यकर्त्ता की मुलाकात हुई। हीरीबाई ने बताया कि वह पिछले आठ सालों से अंधकारमय जीवन जी रही है।

कट्स कार्यकर्ता ने गोमाबाई नेत्रालय द्वारा आयोजित नेत्र शिविर की सूचना दी एवं अपने आंखों की जांच कराने हेतु प्रेरित किया। हीरीबाई ने शिविर मे जाने के लिए साफ मना कर दिया। कट्स प्रतिनिधियों ने हीरीबाई को कई बार समझाने का प्रयास किया कि वे एक बार अपनी आंखों की जांच करवाये। हो सकता है जीवन में पुनः आंखों की रोशनी लौट आए। अन्त में गांव वालों के सहयोग से उसे जांच हेतु सांवरिया राजकीय जिला अस्पताल चित्तौड़गढ़ लाया गया। अस्पताल में डॉक्टर देवेश शर्मा ने उसकी आंखों की जांच की एवं 5 सितम्बर 2011 को उसे अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज प्रारंभ किया। दूसरे दिन उसकी एक आंख का ऑपरेशन किया गया जिससे वह सामान्य व्यक्तियों की तरह देखने लगी। आठ सालों बाद उसने अपने बेटे को अपनी आंखों से देखा और बहुत खुश हुई। इतने सालों बाद वह पुनः देख पाई इसके लिये वह विकलांग मंच को धन्यवाद देती है कि उसका ऑपरेशन पूर्णतया निःशुल्क था तथा सारा खर्च चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच द्वारा वहन किया गया। वह कट्स संस्था का भी आभार मानती है।

^^igy e vk[k d vkij'ku d uke l gh ?kcjkrh Fkh] ij tc dVl lLFkk d dk;drk u e> le>k;k rk e ftyk vLirky vk[kk dh tkp d fy; xbA ,d NkV l vkij'ku d ckn vkt e vkB lky ckn n[k ikb g] ftld fy; e dVl dh vkHkkjh gA^^

हीरी भील

जिला कलेक्ट्रेट परिसर की एक्सेस ऑडिट करता दल

मेगा शिविर में दृष्टिबाधितों को दिलाया लाभ

चित्तौड़गढ़ में आयोजित नेत्रहीन प्रशिक्षण शिविर

निम्बाहेड़ा में आयोजित नेत्रहीन प्रशिक्षण शिविर

विद्यालय का विजिट करते हुए साईटसेवर्स प्रतिनिधि

सर्व शिक्षा से ब्रेल किट प्राप्त करते हुए लोकेश

मीडिया

एक्सेस ऑडिट में जानी समस्याएं

विभिन्न कार्यालयों में विकलांगों को आने-जाने के दौरान होने वाली दिक्कतों की ली जानकारी

न्यूज सर्विस

चित्तौड़गढ, 14 अक्टूबर। कट्स संस्था द्वारा विकलांगों के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में एक्सेस ... अन्य संबंधित अधिकारियों को दी जाएगी। इस प्रक्रियामें दो नेत्रहीन, दो अस्थि विकलांग व कट्स संस्था के प्रतिनिधि मौजद थे। उक्त कार्यक्रम विकलांगों ... परियोजना के ...

शिविर आज

चित्तौड़ पंचायत समिति में शनिवार को वृहद विकलांगता शिविर आयोजित किया जाएगा। उपखण्ड अधिकारी जगदीश हेड़ा व विकास अधिकारी के.एल. जैन ने बताया कि पात्रता रखने वाले व्यक्तियों के विकलांग प्रमाण पत्र जारी कर विकलांगता पेंशन जारी करने, रोड़वेज की बसों में आवागमन के लिए पास जारी करने आदि कार्यों के लिए 15 अक्टूबर को यहां पंचायत समिति परिसर में वृहद विकलांगता शिविर आयोजित ...

कट्स की टीम का एक्सेस ऑडिट के तहत सर्वे

निशक्तजनों के लिए सुगम नहीं है अधिकारियों के रास्ते

भास्कर न्यूज | चित्तौड़गढ़

जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट में ही अधिकारियों से मिलने के रास्ते निशक्तजनों के लिए दुर्गम हों तो जिले के अन्य सरकारी विभागों से क्या अपेक्षा की जा सकती है। और तो और निशक्तजनों के लिए कलेक्टर से मिलना भी भारी पड़ता है।

निशक्तों की इन मुश्किलों का ...

दूसरी मंजिल पर स्थित कार्यालय में कलेक्टर से मिलने के लिए जाना तो निशक्त के लिए आसान नहीं है। इसके अलावा विकलांगों के लिए टॉयलेट्स व पीने के पानी की व्यवस्था भी उचित नहीं मिली। पूरे कलेक्ट्रेट परिसर का एकमात्र अतिरिक्त कलेक्टर कार्यालय के बाहर बना रैंप भी मानदंडों के अनुरूप नहीं मिला। कट्स चित्तौड़गढ़ के प्रोजेक्ट आफिसर आराध्यशंकर गौड़ ने बताया कि विकलांगों को कलेक्टेट भवन में जाने के लिए ...

दृष्टि बाधित जनों के लिए शिविर आयोजित

निम्बाहेड़ा। कटस मानव विकास केन्द्र चित्तौड़गढ़ की ओर से यहां सांवलियाजी विश्रान्ति गृह निम्बाहेड़ा में दृष्टि बाधित लोगों के लिए आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शनिवार को हुआ। कार्यक्रम में तहसील की 19 ग्राम पंचायतों से 33 लोगों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में आए लोगों को दैनिक कार्य बेहतर ढंग से करने, आत्मविश्वास के साथ चलने फिरने, मनोबल के साथ आगे बढ़ने, विभिन्न सरकारी योजनाए आदि विषयों पर जानकारी दी। इस अवसर पर बाडी सरपंच कैलाश आंजना, प्रतिनिधि भोपराज टांक, मरजीवी ... आंजना मौजद थे।

विकलांग मंच की गतिविधियाँ

चित्तौड़गढ़ विकलांग मंच ने विकलांगजनों की मदद के लिए कमर कस ली। मंच ने अब तक दान दाताओं से 10,100 रूपये की राशि जुटा ली है। इस राशि में से नेत्रहीन बच्चों के लिए 5610 रूपये की ब्रेल किट व ब्रेल बुक खरीदी। 900 रूपये खर्च कर आठ सालों से अंधकारमय जीवन जी रही हीरी भील की आंखों का ऑपरेशन करवाया।

विकलांगजनों के लिये राज्य सरकार द्वारा आयोजित मेगा केम्प का प्रचार प्रसार किया तथा विकलांगजनों को इस शिविर में जाने हेतु प्रेरित किया।

15 अक्टूबर 2011 को पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ मे आयोजित मेगा केम्प में पहुंचकर अपेक्षित सहयोग किया। मंच सदस्यों ने दूर दराज से आये विकलांगजनों की मदद की। विकलांगजनों के प्रमाण पत्र, पेंशन तथा बस पास बनवाने में केम्प से अस्थि विकलांगों को बैसाखी, ट्राईसाईकिल तथा व्हील चेयर दिलवाने में सहयोग किया।

मोतियाबिन्द के मरीजों का निःशुल्क ऑपरेशन करवाने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मंच का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मंच के अध्यक्ष दिलीप सिंह राणावत ने बताया कि मंच द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। यदि कोई विकलांगजनों के हित के लिए अपना योगदान देना चाहते है तो इस मंच से जुड़कर अपना योगदान दे सकते है। विकलांग मंच से जुड़ी कोई जानकारी लेने हेतु सम्पर्क करें –

ekgu yky e?koky
mik/;{k
fpÙkkMxk< fodykx ep
ekckby 9928468098

Sightsavers
North West India Area Office
C-39, Panchsheel Colony, Ajmer Road Jaipur-302006
Ph: +91.141.2812081; Fx: +91.141.2812081-27

कट्स मानव विकास केन्द्र
सेंती (रावला), चित्तौड़गढ़ 312025, फोन: (01472): 241472 फैक्स: 247715
E-mail: chd@cuts.org, Website: www.cuts-international.org

मुद्रक : एस. एस. प्रिंटर्स